जैविक खेती का प्रमुख आदान है जैव उर्वरक

जबलपुर। आज दिनांक 20 नवंबर 2019 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत फार्मर फर्स्ट परियोजना गेहूँ के प्रजनक बीज– JW–3382 के साथ जैव उर्वरकों का वितरण एवं प्रशिक्षण माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी, के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना (भा.कृ.अनु.परिषद् द्वारा पोषित) के अंर्तगत अंग्रीकृत 6 गाँवों क्रमशः पड़रिया, सिलुआ, घाना, छत्तरपुर, कैलवास, देवरी के 12 कृषकों को गेहूँ के उन्न्त किस्म व प्रजनक बीज– JW-3382 के साथ जैव उर्वरकोंः एजेटोबेक्टर, पी.एस.बी. एवं ट्रायकोडर्मा विषय पर प्रशिक्षण एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय डॉ. यशपाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजनार्तगत विभिन्न संचालित विस्तार गतिविधियों पशु नस्ल सुधार हेतु उन्नत सिरोही बकरी पालन, नर्मदा निधि, मुर्गी की नस्ल इकाईयों, मृदा परीक्षण कार्ड, कृषि की लागत में कमी लाने हेतु केंचुआ खाद उत्पादन व उपयोग एवं अजोला उत्पादन विभिन्न कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुये, कृषकों को ज्ञानवर्धक तकनीकी जानकारी से अवगत कराया।

डॉ. शेखर सिंह बघेल, सह–समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक ने जैविक खेती पर कृषि उपयोगी सुझाव दियें, सर्वप्रथम पराली न जलाने के लिये विशेष रूप से सलाह दी, वेस्ट डिकम्पोसर के प्रयोग बताये, मृदा में उपलब्ध सूक्ष्म जीवों की महत्ता को बताया। फसल में ट्राइकोडर्मा, एजेटोबेक्टर एवं पी.एस.बी. कल्चर के उपयोग बताये और सिंचाई गेहूँ की फसल में समन्वित सिंचाई एवं गेहूँ की फसल में आने वाले खरपतवार के नियंत्रण पर अपना व्याख्यान दिया

और साथ ही जैविक खेती पर विस्तृत चर्चा हुई। फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत् समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से कृषकों का सशक्तीकरण, कृषक व वैज्ञानिक नियमित जनसंवाद आदि के परिणामस्वरूप आगामी 2022 तक कृषकों की आय में दो–गुनी वृद्धि हो, इसके लिये निरंतर गतिविधियों का संचालन करते हुये कृषकों के द्वार तक सकरात्मक व क्रियाशील प्रयास जारी रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रारंभ में फार्मर फर्स्ट परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. ए.के. गौर, द्वारा कृषकों हेतु चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की उपयोगिता व कृषकों हेतु लाभकारी जानकारी बताई। श्री देवेश उपाध्याय, एस.आर.एफ., श्री अशीष यादव व श्री विजय चौकसे, फील्ड असिस्टेंट, सुमित बिरहा, लिपकीय फार्मर फर्स्ट परियोजना के साथ–साथ कृषकों की उपस्थिति व सहयोग सराहनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)